



Satwinder Kaur

05 Feb 1990

05:00 AM

Kapurthala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448310

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 4-05/02/1990
दिन _____: रवि-सोमवार
जन्म समय _____: 05:00:00 घंटे
इष्ट _____: 54:11:41 घटी
स्थान _____: Kapurthala
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

अक्षांश _____: 31:20:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:28:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 04:31:44 घंटे
वेलान्तर _____: -00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल _____: 13:31:11 घंटे
सूर्योदय _____: 07:19:19 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:05:22 घंटे
दिनमान _____: 10:46:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 22:10:34 मकर
लग्न के अंश _____: 13:17:02 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: वृष - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: रोहिणी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ऐन्द्र
करण _____: गर
गण _____: मनुष्य
योनि _____: सर्प
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

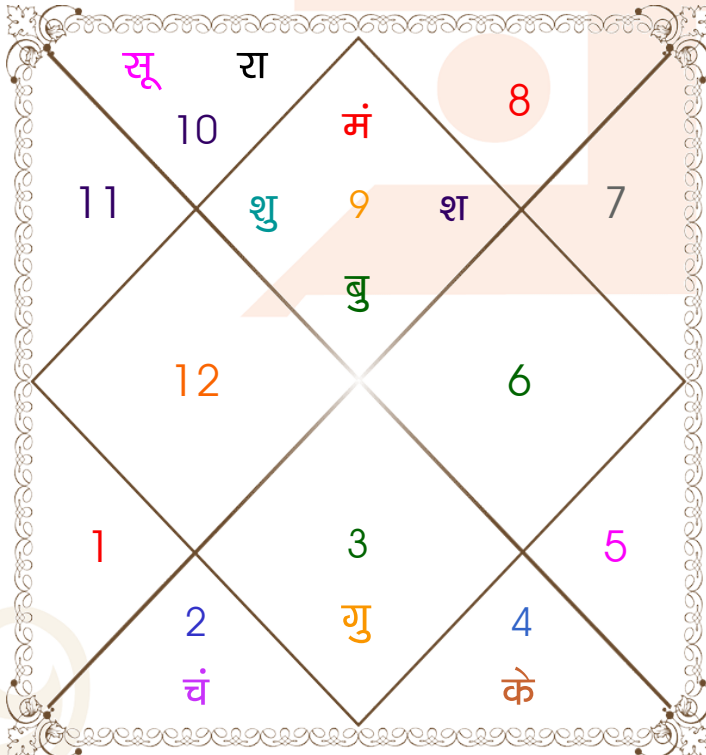
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	धनु	13:17:02	344:59:46	मूल	4	19	गुरु केतु	बुध ---
सूर्य	मक	22:10:34	01:00:49	श्रवण	4	22	शनि चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र	वृष	21:08:46	14:03:35	रोहिणी	4	4	शुक्र चंद्र	मूलत्रिकोण
मंगल	धनु	10:53:17	00:43:24	मूल	4	19	गुरु केतु	मित्र राशि
बुध	धनु	27:20:58	01:09:49	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु सूर्य	सम राशि
गुरु	व मिथु	07:44:09	00:03:53	आर्द्रा	1	6	बुध राहु	शत्रु राशि
शुक्र	व धनु	27:26:11	00:08:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु सूर्य	सम राशि
शनि	धनु	25:56:38	00:06:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु शुक्र	सम राशि
राहु	मक	22:46:08	00:00:10	श्रवण	4	22	शनि चंद्र	मित्र राशि
केतु	कर्क	22:46:08	00:00:10	आश्लेषा	2	9	चंद्र बुध	मित्र राशि
हर्ष	धनु	14:00:28	00:03:01	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु शुक्र	शुक्र ---
नेप	धनु	19:34:11	00:01:59	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु शुक्र	राहु ---
प्लूटो	तुला	24:00:15	00:00:31	विशाखा	2	16	शुक्र गुरु	बुध ---
दशम भाव	तुला	00:53:31	--	चित्रा	--	14	शुक्र मंगल	बुध --

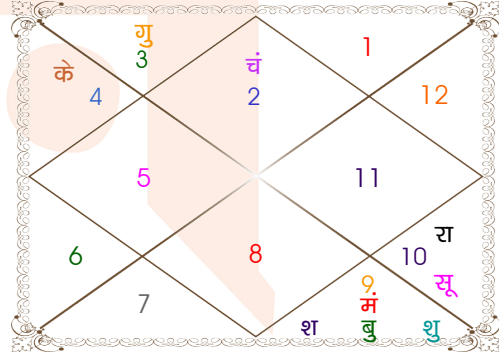
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:20

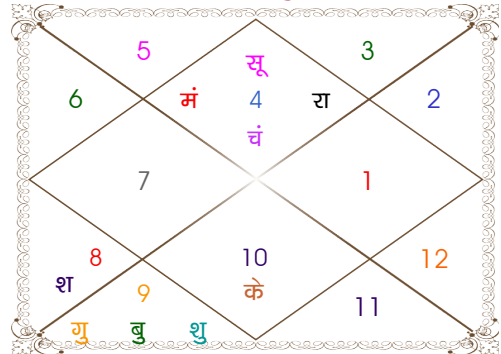
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 7 मास 20 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
05/02/1990	27/09/1991	27/09/1998	26/09/2016	26/09/2032
27/09/1991	27/09/1998	26/09/2016	26/09/2032	27/09/2051
00/00/0000	मंगल 23/02/1992	राहु 09/06/2001	गुरु 14/11/2018	शनि 30/09/2035
00/00/0000	राहु 13/03/1993	गुरु 02/11/2003	शनि 28/05/2021	बुध 09/06/2038
00/00/0000	गुरु 16/02/1994	शनि 08/09/2006	बुध 03/09/2023	केतु 19/07/2039
00/00/0000	शनि 28/03/1995	बुध 28/03/2009	केतु 08/08/2024	शुक्र 17/09/2042
00/00/0000	बुध 24/03/1996	केतु 15/04/2010	शुक्र 09/04/2027	सूर्य 30/08/2043
00/00/0000	केतु 21/08/1996	शुक्र 15/04/2013	सूर्य 27/01/2028	चंद्र 31/03/2045
05/02/1990	शुक्र 21/10/1997	सूर्य 10/03/2014	चंद्र 28/05/2029	मंगल 10/05/2046
शुक्र 28/03/1991	सूर्य 26/02/1998	चंद्र 09/09/2015	मंगल 04/05/2030	राहु 16/03/2049
सूर्य 27/09/1991	चंद्र 27/09/1998	मंगल 26/09/2016	राहु 26/09/2032	गुरु 27/09/2051

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
27/09/2051	26/09/2068	27/09/2075	27/09/2095	27/09/2101
26/09/2068	27/09/2075	27/09/2095	27/09/2101	00/00/0000
बुध 23/02/2054	केतु 22/02/2069	शुक्र 26/01/2079	सूर्य 14/01/2096	चंद्र 29/07/2102
केतु 20/02/2055	शुक्र 24/04/2070	सूर्य 27/01/2080	चंद्र 15/07/2096	मंगल 27/02/2103
शुक्र 21/12/2057	सूर्य 30/08/2070	चंद्र 26/09/2081	मंगल 20/11/2096	राहु 28/08/2104
सूर्य 27/10/2058	चंद्र 31/03/2071	मंगल 26/11/2082	राहु 15/10/2097	गुरु 28/12/2105
चंद्र 27/03/2060	मंगल 27/08/2071	राहु 26/11/2085	गुरु 03/08/2098	शनि 29/07/2107
मंगल 25/03/2061	राहु 14/09/2072	गुरु 27/07/2088	शनि 16/07/2099	बुध 27/12/2108
राहु 12/10/2063	गुरु 21/08/2073	शनि 27/09/2091	बुध 22/05/2100	केतु 28/07/2109
गुरु 17/01/2066	शनि 30/09/2074	बुध 28/07/2094	केतु 27/09/2100	शुक्र 06/02/2110
शनि 26/09/2068	बुध 27/09/2075	केतु 27/09/2095	शुक्र 27/09/2101	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 7 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपत्ति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएंगे। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यो के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यो के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपत्ति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

